

डॉ. जेफ़री हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 11, द पैट्रिआर्क्स एंड आर्कियोलॉजी

© 2024 जेफ़री हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 11 है, पितृसत्ता और पुरातत्व।

ठीक है, अब हम उत्पत्ति 12 से 50, कुलपतियों के काल के संबंध में पुरातत्व हमें क्या बता सकता है, इसकी ओर मुड़ते हैं।

यह, फिर से, इज़राइल के इतिहास में एक बहुत ही विवादास्पद अवधि है और पुरातात्विक रूप से अधिक जानकारी प्राप्त करना कठिन है, हालांकि हम देखेंगे कि हम यहां क्या कर सकते हैं। सबसे पहले, मैं अपनी पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में माचपेला की गुफा की एक तस्वीर दिखाना चाहता हूं। यह एक गुफा है जिसे इब्राहीम ने अपनी पत्नी सारा को दफनाने के लिए हिती एप्रोन से खरीदा था और बाद में कुलपतियों को भी यहीं दफनाया गया था।

और जैसा कि यह आज भी मौजूद है, आप देखते हैं कि यह एक स्मारकीय संरचना है, इन गुफाओं के चारों ओर पत्थर की संरचना है। और वह संरचना ही बहुत प्राचीन है। हेरोदेस महान के अलावा किसी और ने हिब्रू कुलपतियों का सम्मान करने और फिर से अपने समय में यहूदी आबादी को संतुष्ट करने के लिए उस बाड़े का निर्माण नहीं कराया।

यहां महत्वपूर्ण बात वास्तव में पुराने नियम का अवलोकन नहीं है, बल्कि नए नियम का अवलोकन है। आपने भित्तिस्तंभों को दीवार के आधे भाग तक बाहर आते हुए पाया है। यह उस मंदिर के मंच की नकल करता है जिसे उन्होंने यरूशलेम में मंदिर पर्वत के चारों ओर विस्तारित और निर्मित किया था।

मंदिर के चारों ओर लगे हुए भित्तिचित्रों के साक्ष्य बहुत कम हैं। इसका अधिकांश भाग नष्ट और विखंडित हो चुका है, लेकिन यह यहाँ है।

चूँकि यह मुसलमानों, यहूदियों और ईसाइयों के लिए पवित्र कब्र परिसर है, यह इन सभी शताब्दियों में लगभग बरकरार रहा है। तो वह 2000 वर्ष पुराना है। इस एंगल से देखने पर तो यह नहीं लगता, लेकिन यह 2000 साल पुराना घेरा है।

अब, यहां के शिखर-स्तंभ, ऊपरी तौर पर अधिक मोटे तौर पर बनाई गई छतरी, साथ ही मुस्लिम प्रार्थना टावर, निश्चित रूप से, बाद में जोड़े गए हैं। लेकिन यह फिर से हेब्रोन शहर में है जो पारंपरिक स्थल है जहां कुलपतियों की कब्रें स्थित थीं।

शासनादेश अवधि तक उन पर शोध या अध्ययन नहीं किया गया था जब फ्रांसीसी विद्वानों ने इस संरचना का सर्वेक्षण किया था। और फिर, छह दिवसीय युद्ध के बाद, एक बहुत पतली इजरायली लड़की नीचे उतरी और खोजबीन की, जो फर्श में एक बहुत छोटे से छेद में फिट होने में सक्षम

थी, और नीचे उतरकर उस भूमिगत परिसर का पता लगाया जहां ये कब्रें मूल रूप से थीं। ठीक है, तो इब्राहीम को परमेश्वर ने कसदियों के उर में बुलाया है, परमेश्वर ने उस देश में जाने के लिए बुलाया है जो मैं तुम्हें उत्पत्ति 12 में दिखाऊंगा।

और उर, फिर से, दक्षिणी मेसोपोटामिया, प्राचीन सुमेर में उर का पारंपरिक स्थल है। साइरस गॉर्डन, जिन्हें हमने पहले पावरपॉइंट में एक स्लाइड दिखाई थी, ने एक वैकल्पिक स्थान, उर्रा का सुझाव दिया था, जो उत्तरी मेसोपोटामिया में है। यह फिर से एक संभावना है, लेकिन यह विशेष रूप से चाल्डीज़ के उर को कहता है, और वह दक्षिणी स्थान होना चाहिए।

अब इब्राहीम और सारा और उनके दल, इब्राहीम एक बहुत अमीर आदमी था और उसके पास बहुत सारे पशुधन और नौकर थे, वह उत्तरी सीरिया में उर से हारान तक चला गया। और फिर तट से नीचे, फिर से, उस उपजाऊ वर्धमान मार्ग का अनुसरण करते हुए तट से नीचे लेवंत, दक्षिणी लेवंत तक। और उसी समय उनके देश में अकाल पड़ा, जैसा याकूब और उसके पुत्रों के समय में पड़ा था।

और इसलिए, वे मिस्र के एक शहर में चले गए, और कनान को पीड़ित करने वाले अकाल से बचने के लिए चले गए। अब, पवित्र भूमि में मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सबसे दिलचस्प समय अब्राहम पथ नामक संयुक्त राष्ट्र हार्वर्ड कार्यक्रम में भाग लेना था। अब इब्राहीम, फिर से, तीनों एकेश्वरवादी धर्मों द्वारा पूजनीय एक व्यक्ति है।

और इसलिए, हम पूरे ट्रांसजॉर्डन में, ग्रामीण इलाकों में, प्राचीन अंगूर के बागों और जैतून के पेड़ों से गुजरते हुए, लंबे, परित्यक्त गांवों से गुजरते हुए, जंगल में या खेतों में पकाए गए दोपहर के भोजन को खाते हुए, जहां हम चल रहे थे, पूरे ट्रांसजॉर्डन में गाइड के साथ घूमे। हम गिलियड के पहाड़ों से नीचे जॉर्डन घाटी तक चले, और हमने जॉर्डन के इलाके और स्थलाकृति के साथ-साथ स्थानीय जॉर्डन के लोगों के साथ बातचीत करते हुए एक अद्भुत समय बिताया। और यह इसके लिए एक अच्छा नाम है।

लेकिन इब्राहीम वास्तव में पवित्र भूमि के इस क्षेत्र से गुजरा था, और आप यहां कुछ ऐसे संकेत देख सकते हैं जो इसकी याद दिलाते हैं। पितरों, या कुलपतियों का मार्ग, यही कहता है, या मिस्र तक इन संकेतों पर कुलपतियों का मार्ग है।

यह बेशेबा के कुएं की एक पुरानी तस्वीर है। आप सदियों से रस्सियों द्वारा बनाए गए खांचे देख सकते हैं, जो नीचे कुएं से पानी खींचते हैं। कुलपतियों का इतिहास एक अत्यंत विवादास्पद विषय है।

और कुलपतियों पर अलग-अलग राय हैं। बाईं ओर के दो व्यक्ति कुलपतियों की ऐतिहासिकता के आकलन में बहुत नकारात्मक हैं। और टॉमी थॉम्पसन और जॉन वैन सेटर्स।

ये पुरानी तस्वीरें हैं. वे अभी काफी बूढ़े हैं. मेरा मानना है कि दोनों अभी भी जीवित हैं.

लेकिन वे भी कुलपतियों की ऐतिहासिकता के तर्कों से प्रभावित हैं। इन्हें विशेष रूप से दाहिनी ओर की दो पुस्तकों में निबंधों में जॉन बिम्सन और केए किचन द्वारा अग्रेषित किया गया है। और हम इसे खोल देंगे।

पहला सवाल यह है कि हम कुलपतियों को कालानुक्रमिक रूप से कहाँ रखते हैं? मेरी राय में, वे प्रारंभिक कांस्य युग के अंत में, लगभग 2100 से 2000 ईसा पूर्व, कम से कम इब्राहीम के लिए सबसे उपयुक्त प्रतीत होते हैं। या शायद थोड़ा बाद में जिसे हम मध्य कांस्य युग कहते हैं, 2000 से 550 ईसा पूर्व। यहां समय की लंबाई पर ध्यान दें।

यह समय की एक अत्यंत विस्तृत अवधि है। और वास्तव में हमें इसे उससे अधिक संकीर्ण बनाने में कोई कठिनाई नहीं हुई है। अब यहां का यह बुलेट प्वाइंट पुरातत्वविदों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

अब, पुरातत्व में, आप स्थानों के नाम खोजते हैं, आप राजाओं के नाम खोजते हैं, आप ऐसी घटनाओं की तलाश करते हैं जो शायद पुरातात्विक उत्खनन से सिद्ध हो सकती हैं, या यह निर्धारित कर सकते हैं कि चीजें कहाँ और कब घटित होती हैं। इन शहरों और कस्बों का उल्लेख किया गया है, साथ ही पूर्व के चार राजाओं के नाम भी हैं जिन्होंने उत्पत्ति 14 में मैदान के शहरों पर हमला किया था। हालाँकि, ये नाम अन्य स्रोतों में अप्रमाणित हैं।

अपनी शैली और निर्माण के आधार पर, वे जाहिरा तौर पर मेसोपोटामिया, पूर्वी सेमेटिक नाम से हैं, लेकिन कुछ भी पूरी तरह से निश्चित नहीं हो सकता है। इस समय मिस्र के अभिलेखों में सेमाइट्स का उल्लेख है, लेकिन नाम से किसी भी कुलपिता का कोई विशेष उल्लेख नहीं है। अन्य स्रोतों से चौंकाने वाले सुराग मिल रहे हैं।

हमारे पास याकूब के नाम वाली मुहरें हैं, याकोव, और कर्णक मंदिर से एक इज़राइली किला, एक इज़राइली किला, जिसका नाम जाहिर तौर पर फोर्ट अब्राम है, जिसका नाम शायद सुलैमान या इज़राइल के अन्य राजाओं में से किसी एक कुलपिता के नाम पर रखा गया था। यहूदा। नामित एकमात्र अन्य राजा एक पलिशती राजा है जिसका सेमेटिक नाम अबीमेलोक है। ठीक है।

फिर, यह वंशवादी हो सकता है, कुछ लोग इसे कालानुक्रमिक कह सकते हैं क्योंकि 12वीं शताब्दी ईसा पूर्व तक फिलिस्तीनी ताकत में नहीं आए थे। अब्राम स्पष्ट रूप से उस अवधि से पहले था। तो, हमारे यहाँ एक समस्या है।

शायद यह नाम का अद्यतनीकरण है क्योंकि गेरार पलिशती पेंटापोलिस के दायरे में था या वह क्षेत्र जिस पर पलिशतियों का नियंत्रण था। तो, यह एक अद्यतन नाम हो सकता है, लेकिन नाम, अबीमेलोक, फिलिस्ती नहीं है। यह सेमेटिक है।

तो, यह संभवतः एक कनानी राजा या सरदार था जिसने इब्राहीम और इसहाक के साथ व्यवहार किया था। बाहरी जानकारी का अभाव बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि हमें यह समझना होगा कि हम एक ही परिवार का इतिहास पढ़ रहे हैं, राजाओं के राजवंश का नहीं। और इसलिए

उस प्रारंभिक समय में अब्राहम या इसहाक या जैकब या उनके परिवार में से किसी के साक्ष्य, निश्चित रूप से लिखित साक्ष्य, मिलने की संभावना बेहद कम है।

हालाँकि, इस सब पर विचार करने के बाद, हमें लगता है कि दूसरी सहस्राब्दी की पहली छमाही उत्पत्ति के वृत्तांत के लिए काफी उपयुक्त लगती है। बाइबिल पाठ में साक्ष्य से एक और संकेत। मैदान के नगर तथा युद्धरत राजाओं के नाम।

हमने उसका उल्लेख किया। मैदान के शहर, पांच शहर, सदोम, अमोरा और अन्य निश्चित रूप से विचार करने और करीब से देखने लायक हैं। स्थानों के नामों को ज्ञात स्थलों के साथ बराबर करना।

सेलम या शालेम संभवतः जेरूसलम का प्रारंभिक नाम है। दान, दमिश्क, उत्पत्ति 22 से मोरिया, शावेह, बेशेबा, आदि एमोरी, कनानी, पलिशती, हिब्वी, और हित्ती, आदि।

उल्लेख कर रहे हैं। पितृसत्तात्मक रीति-रिवाज, बहन के रूप में सारा, सरोगेट मां के रूप में हाजिरा की भूमिका, और, फिर से, राजाओं की पहचान। और एक चीज़ जिसका मैंने अभी तक उल्लेख नहीं किया है वह उत्पत्ति 36 में एडोमाइट राजा सूची है, जो कुछ महत्वपूर्ण जानकारी भी देती है।

केए किचन ने दासों की कीमतों का उपयोग किया। अब, जब उत्पत्ति 37 में यूसुफ को दास के रूप में बेचा गया, तो उसे 20 चांदी के शेकेल में बेचा गया। किचन ने विभिन्न अवधियों में प्राचीन निकट पूर्व में युवा पुरुषों के लिए दास की कीमतों के संबंध में अध्ययन किया, और 20 चांदी के शेकेल ईसा पूर्व दूसरी सहस्राब्दी की शुरुआत में एक युवा पुरुष दास की कीमत के अनुरूप प्रतीत होते हैं।

संधियाँ और अनुबंध जो उत्पत्ति में हैं, और फिर निश्चित रूप से, पुरालेखीय सामग्री, जिसका हमने पहले ही ऊपर उल्लेख किया है। इसके अलावा, 1970 के दशक में, एक इतालवी अभियान ने अलेप्पो के पास तेल मर्दिख नामक एक स्थल की खुदाई की। यह एक स्थल है जिसे प्राचीन एबला के नाम से जाना जाता है।

और उन्हें मिट्टी से बनी 20,000 क्यूनिफॉर्म गोलियों का भंडार मिला। और उनके अभिलेखकर्ता ने दावा किया कि इन गोलियों में यहोवा, यरूशलेम, सदोम, अमोरा, ज़ोहर और स्वयं कुलपतियों के संदर्भ हैं। अब, निर्देशक ने इन दावों का खंडन किया।

और चूंकि यह सीरिया में था, इसलिए सीरियाई सरकार इसमें शामिल हो गई। और यह उस समय के राजनीतिक माहौल को देखते हुए, राजनीतिक रूप से, बहुत, बहुत, बहुत, बहुत गर्म आलू था, और जो आज भी सीरिया और इज़राइल के बीच जारी है। इसलिए, दावे अंततः निराधार और स्पष्ट रूप से झूठे पाए गए।

हालाँकि, इस तथ्य के कारण कि ये प्रारंभिक कांस्य युग, प्रारंभिक या अंतिम दूसरी या तीसरी, बल्कि तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की तारीखें हैं, इस समय के दौरान पितृसत्ता को प्रारंभिक

कांस्य युग में बदलने पर गंभीरता से विचार किया गया था और इसके बारे में लिखा गया था जब ये गोलियां बनाई गई थीं। विचार - विमर्श किया जा रहा है। अब, सलेम शब्द, फिर से, यह उत्पत्ति 14 है, इब्राहीम की मलिकिसिदक के साथ यात्रा या बातचीत। क्या यह जेरूसलम के लिए प्रारंभिक शब्द है, जेरूसलम के लिए प्रारंभिक शीर्षक है? यह हो सकता था।

प्रतीत होना। और रफ़ाईम घाटी में खुदाई, फिर से, वह घाटी जो यरूशलेम तक आती है और फिर पश्चिम की ओर ढलान लेती है, सोरेक घाटी का हिस्सा बन जाती है। और दाऊद नगर ने सलेम का स्थान उघाड़ दिया है।

तो, प्रारंभिक कांस्य और मध्य कांस्य काल से, यरूशलेम रेफाईम घाटी में घरों और बस्तियों का एक शहर था। तो, यरूशलेम एक शहर के रूप में अस्तित्व में था और यरूशलेम के पास बस्तियाँ, रफ़ाईम घाटी, कुलपतियों के समय और विशेष रूप से अब्राहम के समय में अस्तित्व में थीं। अब, उत्पत्ति 14 में शावे की घाटी क्या है? यह किड्रोन घाटी या पश्चिमी यरूशलेम में आधुनिक बेका पड़ोस, रेफाईम घाटी की ऊपरी पहुंच हो सकती थी।

अडोनाई ज़ेडेक यरूशलेम का एक यबूसी राजा था, जैसा कि जोशुआ 10 में बताया गया है। शब्द या नाम ज़ेडेक भाग पर फिर से ध्यान दें, और फिर उत्पत्ति 14 में मेल्कीसेदेक। यहां किसी प्रकार का राजवंशीय प्रतिबिंब और एक राजवंशीय नाम हो सकता है।

हम बस नहीं जानते। इब्राहीम के समय के घरों में घरों के भीतरी भाग और घरों की भीतरी दीवारों के चारों ओर बेंचे होती थीं, और वे 1970 के दशक में डेविड शहर में खुदाई किए गए घरों में पाए गए थे। तो, हमारे पास, फिर से, स्पष्ट सबूत हैं कि इस समय यरूशलेम में गतिविधि, मानव गतिविधि और आवास था।

अब, बाइबिल के बाहर यरूशलेम का सबसे पहला ज्ञात संदर्भ मिस्र के ग्रंथों की एक श्रृंखला है जिसे निष्पादन ग्रंथ कहा जाता है, और ये मूल रूप से आपके दुश्मनों पर एक बुरा जादू डालने का एक प्रकार था। मिस्र के दुश्मनों को या तो मूर्तियों पर या कटोरे पर लिखा जाएगा, और फिर मूर्तियों और कटोरे को औपचारिक रूप से कुचल दिया जाएगा या तोड़ दिया जाएगा, और यह, निश्चित रूप से, उनके दुश्मनों को कुचलने का प्रतीक होगा। फिर, यरूशलेम और अन्य बाइबिल स्थल पाए गए, और उनके नाम इन निष्पादन ग्रंथों में पाए गए।

हमने यह स्लाइड पहले भी देखी है, लेकिन यह, फिर से, बेनी हसन की एक मकबरे की पेंटिंग है, जो मोटे तौर पर कुलपतियों के समय की है, शायद इब्राहीम की तुलना में थोड़ी देर बाद, लेकिन स्पष्ट रूप से एशियाई लोगों, कनान, कनानियों, या के लोगों को दिखाती है। शायद आरंभिक इस्राएली भी, हिब्रू लोग, मिस्र आते थे और अन्य वस्तुओं के लिए पशुधन और धातु दोनों का व्यापार करते थे। तो, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज है जो कनान और मिस्र के बीच की बातचीत को स्पष्ट रूप से दिखाती है, जो स्पष्ट रूप से उत्पत्ति कथा में फिट बैठती है। इब्राहीम और मलिकिसिदक के बीच हुई मुलाकात से मेल्कीसेदेक का चित्र, निश्चित रूप से, बहुत दिलचस्प है और अध्ययन के लिए एक आकर्षक विषय है।

मेलकीसेदेक, बेशक, नाम राजा-पुजारी है, और इसका स्पष्ट अर्थ है कि यह यीशु मसीह का पूर्व-अवतार स्वरूप हो सकता है। मलिकिसिदक इब्राहीम को आशीर्वाद देता है और इब्राहीम से दशमांश प्राप्त करता है। शावे की घाटी, फिर से, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, रेफाइम घाटी या किड्रोन घाटी, किंग्स वैली की ऊपरी पहुंच हो सकती है, जो यरूशलेम के ठीक पूर्व में है।

और हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे। अब, बाद में पुराने नियम में, सुलैमान के पास किड्रोन घाटी में अपने शाही उद्यान थे, छतों की एक श्रृंखला, शाडोट, जिसका उल्लेख राजाओं की पुस्तक में किया गया है। यह दिलचस्प है, मुझे लगता है कि मलिकिसिदक के व्यक्तित्व के अलावा यहां बहुत सारा धर्मशास्त्र है।

बैठक, संक्षिप्त बैठक, शावेह की घाटी या जेनेसिस में किंग्स वैली में, अब जेनेसिस अपोक्रीफॉन में, मृत सागर स्कॉल में से एक, आपको मिला है, इसका एक तीसरा नाम भी है जिसे बेट हाकेरेम की घाटी कहा जाता है। लेकिन एक अच्छे पानी वाले मैदान या घाटी में भगवान और इब्राहीम के बीच की यह संक्षिप्त मुलाकात ईडन गार्डन के पतन से पहले की याद दिलाती है। और तथ्य यह है कि ईश्वर और मनुष्य, मलिकिसिदक के रूप में ईश्वर, सेलम के राजा, और इब्राहीम के रूप में मनुष्य, कुलपिता, यहूदी लोगों के पिता, के जन्म के लिए पीछे और साथ ही आगे देखते प्रतीत होते हैं मसीह और उसका प्रायश्चित और अंततः ईश्वर के साथ हमारा मेल-मिलाप।

जब आप कुलपतियों के पुरातत्व को देखते हैं तो विचार करने के लिए एक अन्य कारक मैदान के शहर हैं, मैदान के कल्पित शहर, जिनका उल्लेख लूत और उनकी पत्नी और उनकी बेटियों की कहानी में किया गया है। फिर, विभिन्न अभियानों द्वारा इनकी जोरदार खोज की गई है। वास्तव में मृत सागर के पूर्वी तट पर मृत सागर के सामने पांच स्थल हैं, लिसान प्रायद्वीप, जो पूर्वी तरफ से निकलता है।

धरा नाम का एक स्थल है। और कई पुरातत्वविदों और बाइबिल इतिहासकारों का सुझाव है कि यह संभवतः बाइबिल सदोम का प्रतिनिधित्व करता है। सुदूर दक्षिण में, चार अन्य स्थल हैं जो प्रारंभिक कांस्य युग के कब्जे को दर्शाते हैं।

यहां समस्या यह है कि इन साइटों का कालक्रम आवश्यक रूप से मेल नहीं खाता है। कुछ दूसरों की तुलना में बाद में हैं। कुछ व्यस्त नहीं दिखते, जबकि अन्य इसे अलग-अलग समय पर करते हैं।

तो, उत्पत्ति, सदोम, अमोरा, अदमा, ज़ेबोइम, और बेला या सोअर के शहर अभी भी एक खुला प्रश्न हैं। हालाँकि ये सभी साइटें आम तौर पर एक ही अवधि की हैं और लूत, लूत की कहानी और लूत के सदोम से भागने के अंश में हमने जो पढ़ा है, उसके अनुरूप प्रतीत होती हैं, फिर भी कुछ मुद्दे हैं। अब, हाल ही में, एक ईसाई पुरातत्वविद् ने एक उत्तरी स्थल, तेल हमाम नामक स्थान के लिए तर्क दिया है।

किरकर के किनारे पर है हार यार्डन, मृत सागर के ठीक उत्तर में एक गोलाकार मैदान की तरह। लेकिन उस साइट में भी समस्याएं हैं। सबसे पहले, उत्पत्ति कथा में, आपके पास तीन स्वर्गदूत इब्राहीम से उसके तम्बू में मिलने आते हैं, और हम भविष्य के वीडियो में एक समान तम्बू देखेंगे।

और वे मैदानी इलाकों के शहरों, विशेषकर सदोम पर नज़र रखते हैं। और यह हेब्रोन में मग्रे के बांज से है। और यदि सदोम तेल हमाम के उत्तर में स्थित था, तो यह उनके शिविर के किनारे तक चलने और रिफ्ट घाटी में देखने और दूर उत्तर को देखने के लिए बहुत दूर उत्तर की ओर है।

यह बिल्कुल असंभव है। तो, इन सबके साथ कुछ मुद्दे हैं, और वास्तव में कोई मजबूत समाधान नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि पाँच शहर, बाब एध- धरा और दक्षिण के शहर, और दक्षिण के स्थल, शायद मैदान के शहरों के संबंध में आज तक के हमारे सबसे अच्छे अनुमान का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे शहर जिनका उल्लेख उत्पत्ति में किया गया है।

ठीक है, अकेदा, उत्पत्ति 22 में इसहाक को बांधना, मोरिया की भूमि का उल्लेख करता है। मोरिया एक भूमि थी, एरेत्ज़ मोरिया, लेकिन इब्राहीम ने अपने बेटे को उस पर बलिदान करने के लिए तैयार किया जो स्पष्ट रूप से इज़राइल की बाद की भूमि थी। यह सोलोमन के मंदिर का स्थान था।

और बेशेबा से इस साइट तक की तीन दिन की यात्रा थी जब उसने अपनी आँखें उठाई और साइट को बहुत दूर देखा। लेकिन यह, फिर से, यरूशलेम के आसपास के क्षेत्र के अनुरूप होगा। अब इब्राहीम के दिनों में, आमतौर पर बच्चे की बलि देने की प्रथा थी और यह इज़राइल के आसपास कनानियों और बुतपरस्त आबादी के बीच लौह युग तक जारी रही।

और यह, फिर से, टोफेट के लिए एक मार्कर है। यहीं पर ये नरबलि दी जाती थी। यह कार्थेज में है, जो आधुनिक ट्यूनीशिया के पश्चिम में भूमध्य सागर के पश्चिमी भाग में फोनीशियन स्थलों में से एक है।

टायलेट नामक स्थान पर जा सकते हैं। यह एक सुंदर पार्क और एक सैरगाह है जो तलपियट पड़ोस के चारों ओर घूमता है। और आपको विशेष रूप से जैतून पर्वत और यरूशलेम और टेम्पल माउंट के सुंदर दृश्य दिखाई देंगे।

और यह जानते हुए कि कुलपतियों का मार्ग कहाँ जाता था, जो आधुनिक हेब्रोन रोड का अनुसरण करता है, जहाँ इब्राहीम ने अपनी आँखें उठाई और उस स्थान को दूर से देखा, उसे इस आसपास के क्षेत्र में होना था जहाँ आप चट्टान का सुनहरा गुंबद देख सकते हैं, जो माउंट के ऊपर बना है मोरिया। फिर, इब्राहीम से इसहाक, इसहाक से याकूब, और याकूब के बारह बेटे हुए। और ये पुत्र, जैसा कि हम जानते हैं, इस्राएल के बारह गोत्र बन गये।

यह ईन केरेम में हडासा अस्पताल की खिड़कियों पर मौजूद लोगों का एक सुंदर चित्रण है, जिसे आज कोई भी देख सकता है। हमने पहले दोथान घाटी का उल्लेख किया था। यह, फिर से, वह क्षेत्र है जहाँ यूसुफ को उसके भाइयों से मिद्यानी व्यापारियों द्वारा छीन लिया गया था और मिस्र ले जाया गया था।

यह इस सामान्य क्षेत्र में है, सामरिया के उत्तर में यह घाटी। फिर, जैसा कि हमने पहले के स्लाइड शो में देखा था, यूसुफ के मिस्र के वज़ीर के रूप में सेवा करने का कोई स्पष्ट सबूत नहीं है। हमारे पास उसका मिस्री नाम उत्पत्ति में संरक्षित है।

लेकिन यह स्पष्ट रूप से समझ में आता है, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि बाद के फिरौन ने जोसेफ के वंशजों पर अत्याचार किया और उन्हें गुलाम बना लिया। और फिर, यह दफन स्मारक और यह सामूहिक प्रतिमा, प्रतिमा की प्रतिमा का सिर, जोसेफ या जोसेफ जैसे किसी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व कर सकता है जिसकी स्थापना हमारे द्वारा की गई थी। उत्पत्ति 38 में यहूदा और तामार का विवरण इस बात का विवरण देता है कि पुरुषों ने अपनी पहचान कैसे की।

और उसने क्या किया? उसने अपने कर्मचारियों और उसकी मुहर का अनुरोध किया। हमारे पास मुहरें हैं, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, जो दूसरी सहस्राब्दी से जैकब का नाम बताती हैं। और इसलिए, यह, फिर से, कुलपतियों के समय, दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की एक अंतर्दृष्टि है।

और हमारे पास यह दिखाने के लिए फिर से मुहरें हैं। जाहिर है, हमारे पास यहूदा की मुहर नहीं है, लेकिन ऐसी ही मुहरें हैं जिनमें जैकब या याकोव नाम का उल्लेख है। हमारे बारे में, हमने संभवतः उस स्थान के बारे में बात की जहां यूसुफ ने पहले पोतीपर के अधीन एक दास के रूप में और फिर अंततः फिरौन के अधीन वज़ीर के रूप में कार्य किया।

और फिर, निस्संदेह, उत्पत्ति की पुस्तक का अंत जैकब और अन्य भाइयों के मिस्र जाने और गोशेन की भूमि दिए जाने के साथ समाप्त होता है, जो कि यह अंधेरा क्षेत्र, नील डेल्टा है। प्राचीन काल में, नील डेल्टा की सात शाखाएँ थीं जो भूमध्य सागर में उस आकार के आउटलेट से फैली हुई थीं। आज, केवल दो लेकिन बहुत समृद्ध भूमि हैं।

यहां आप संभवतः 19वें राजवंश की मूर्ति के आधार वाली यह तस्वीर देख सकते हैं। और आप वहां समृद्ध भूमि देख सकते हैं। और यहीं पर इस्राएलियों ने आकर अपना जीवन स्थापित किया और तब तक समृद्ध रहे जब तक कि एक नया राजवंश सत्ता में नहीं आया और उत्पीड़न शुरू नहीं हुआ।

धन्यवाद। इस मामले में, हॉर्न पुरातत्व संग्रहालय में, लगभग अब्राहम के समय के मिट्टी के बर्तन हैं। इन्हें जॉर्डन में बाब आद्रा स्थल पर कब्रों से लिया गया था।

बाब आद्रा, फिर से, हमारे पिछले व्याख्यान से, बाइबिल सदोम की संभावित साइट है। अब, इन मिट्टी के बर्तनों की एक दिलचस्प विशेषता यह है कि वे हाथ से बने होते हैं। यह तेज़ कुम्हार के चाक के प्रचलन से पहले की बात है।

तो, ये सभी हाथ से बनाए गए थे, कुंडलियों का उपयोग करके हाथ से बनाए गए थे, और फिर उन्हें चारों ओर लपेटकर हाथ से चिकना किया गया था। इसलिए, यदि आप ध्यान से देखें, तो वे पूरी तरह से सममित नहीं हैं, लेकिन फिर भी बहुत अच्छे आकार में हैं, हमारे यहां ज्यादातर कटोरे और छोटे जार हैं। प्रपत्रों पर भी ध्यान दें, उनमें से कुछ में लेज हैंडल कहलाते हैं।

यह प्रारंभिक कांस्य काल की विशेषता है, जो 3100 से लगभग 2000 ईसा पूर्व तक चला। अब, अब्राहम उस काल के बिल्कुल अंत में जीवित रहा होगा, यदि बाद में नहीं। लेकिन ये विशिष्ट रूप और मिट्टी के बर्तनों के रूप हैं, फिर से, मोटे तौर पर इब्राहीम के समय से, जिसे हम बाइबिल सदोम मानते हैं। पीछे, कोई बेसाल्ट मोर्तार देख सकता है, और यह अनाज पीसने के लिए है।

अनाज या मसालों को पीसकर व्यंजन या स्टू बनाने के लिए मूसल का उपयोग किया जाता होगा। और, बेशक, इसमें से एक चिप है, लेकिन यह पाया गया था, जैसा कि आज है, कब्र में रहने वालों के साथ दफन एक कब्र में पाया गया था। ठीक है, हॉर्न पुरातत्व संग्रहालय में आपका स्वागत है।

हमारे सामने जो है वह एक प्रामाणिक बेडौइन तम्बू है। और आज के टेंटों के विपरीत, जो सिंथेटिक सामग्री से बने होते हैं, यह असली बकरी के बाल हैं जिन्हें इस तम्बू को बनाने के लिए एक साथ बुना जाता है। वे बकरी के बाल का उपयोग क्यों करते हैं? खैर, बकरी के बाल पानी के प्रति अभेद्य होते हैं, और जब पानी बकरी के बालों को छूता है, तो यह फूल जाता है और जब आप रेगिस्तान में होते हैं तो यह आपके लिए रिसाव-रोधी आश्रय बन जाता है।

इन तंबुओं की शैली हजारों वर्षों से अपरिवर्तित बनी हुई है, और जब हम कुलपतियों और इब्राहीम और इसहाक और याकूब और उनके एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के बारे में सोचते हैं, तो उन्होंने इसी का उपयोग किया होगा। हालाँकि, यहाँ एक चेतावनी है: उनके तंबू बहुत बड़े होते, शायद आकार में चार या पाँच गुना, यदि बड़े नहीं होते। हालाँकि, मैं इन तंबुओं के बारे में कुछ बातें बताना चाहता हूँ।

और एक वह धारियाँ हैं जो तुम तम्बू की दीवार पर देखते हो। यह न केवल सजावट के लिए है, बल्कि यह उन लोगों को भी दूर से बताता है जो तंबू के पास आ रहे हैं कि यहां कौन सा परिवार, जनजाति या रिश्तेदार हैं। हो सकता है कि आप लेवांत में कहीं पवित्र भूमि पर इस तरह के एक तंबू के पास जा रहे हों, और तंबू के किनारे पर वे डिज़ाइन कुछ ऐसे हो सकते हैं जिन्हें आप अपने परिवार के दुश्मन, अपने जनजाति के दुश्मन के रूप में पहचानते हैं, और इसलिए आप अपने घोड़े या ऊँट या गधे को घुमाकर वहाँ से निकल जाना चाहते हैं।

या यह किसी सहयोगी या परिवार के सदस्य या कबीले के सदस्य का एक स्वागत योग्य संकेत हो सकता है जिस पर आप भरोसा करते हैं और आपके अच्छे संबंध हैं और आप इसमें प्रवेश करना चाहते हैं और आतिथ्य प्राप्त करना चाहते हैं। अब, तंबू, फिर से, इब्राहीम और सारा ने जो बड़े तंबू इस्तेमाल किए होंगे उनमें कई डिब्बे होंगे, शायद एक महिलाओं के लिए, एक भोजन तैयार करने के लिए, एक आतिथ्य सत्कार के लिए, और फिर दूसरा सोने के लिए। इन्हें बहुत जल्दी स्थापित और तोड़ा जा सकता है, और पीछे की ओर लपेटा जा सकता है ताकि आपको आराम मिल सके।

यदि हवा चल रही हो, तो आपको क्रॉस-एयर वेंटिलेशन मिल सकता है। वे सरल लेकिन बहुत उपयोगी थे। और जॉर्डन में हमारी खुदाई में, आज तक, हमारे कुछ कारीगर बेडौइन हैं, और वे इस तरह तंबू में रहने के बाद हर सुबह साइट पर आते हैं।

जैसा कि मैंने कहा, कुछ चीज़ें कभी नहीं बदलतीं। अब, यहाँ इस तम्बू में कुछ साज-सामान, कुछ कलाकृतियाँ हैं, और आइए उन्हें बारी-बारी से देखें। मेरे ठीक नीचे यहाँ एक पाउंडर है जो बेडौइन कॉफी बनाने के लिए कॉफी बीन्स को पीसता है या तोड़ता है और तोड़ता है।

यहाँ लकड़ी से निर्मित यह वस्तु ऊंट की काठी है। और, निःसंदेह, ऊंट का एक कूबड़ वहाँ के मध्य में सवारी करेगा। यह चमड़े और कम्बल से ढका होगा और तुम उस पर बैठकर ऊंट की सवारी करोगे।

जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह बहुत असुविधाजनक है, और मैं प्रमाणित कर सकता हूँ कि मैंने 45 मिनट तक ऊंट की सवारी की और लगातार दर्द में रहा। इसलिए, मुझे नहीं पता कि वे ऐसा कैसे करते हैं, लेकिन बेडौइन और जो लोग हर दिन ऊंट की सवारी करते हैं, उनमें ऐसा करने और दर्द सहने की क्षमता विकसित हो जाती है। यहाँ पर एक बकरी की खाल है, और वह यहाँ मक्खन मथने के रूप में स्थापित है।

और आप क्या करेंगे कि आप उसमें वह दूध डालें जो आपने अपनी भेड़ों या बकरियों से दुहा है और बैठें, बातें करें, घूमें और उसे आगे-पीछे घुमाएँ, और बहुत जल्द यह दही बन जाएगा और अंततः, यदि आप ऐसा करते रहेंगे, तो मक्खन बन जाएगा। . और निस्संदेह, यह आज तक मध्य पूर्व में लोगों के भोजन के मुख्य भोजन में से एक है। यहाँ पर, हमारे पास एक थ्रेसिंग स्लेज और एक विनोइंग कांटा है।

ये दोनों वस्तुएं उत्तरी जॉर्डन के जॉर्डन में पाई और खरीदी गईं। और आप देख सकते हैं कि इस थ्रेसिंग स्लेज में बेसाल्ट पत्थर के टुकड़े जड़े हुए हैं। वहाँ मेरी गाली-गलौज के लिए क्षमा करें।

बेशक, इन्हें अनाज के दानों से अनाज के डंठल तोड़ने के लिए खलिहान के चारों ओर खींचा जाता था। और खलिहान लगभग हमेशा पहाड़ी चोटियों पर होते थे जहाँ अच्छी हवा चलती थी। एक बार जब वे स्लेज से टूट गए, तो विनोइंग फोर्क का उपयोग किया जाता है, और जब हवा चलती है, तो आप सब कुछ हवा में फेंक देते हैं।

भूसी या डंठल उड़ जाते हैं। बीज भारी होने के कारण गिर जाते हैं, और आपको अपनी रोटी के लिए अनाज को संसाधित करने और पीसने की आवश्यकता होती है। यहाँ पर, आखिरी चीज जिसके बारे में हम बात करेंगे वह है यहाँ की खूबसूरत पोशाक।

यह एक बेडौइन विवाह दहेज का वस्त्र था जिसे एक बेटी के लिए हाथ से कढ़ाई करने में अनगिनत घंटे खर्च किए गए थे। एक माँ ने अपनी बेटी की शादी से पहले उसके लिए ऐसा किया होगा। दुखद कहानी यह है कि इसे एक प्रसिद्ध पुरातत्वविद् विलियम जी. डेवर ने खरीदा था, उन्होंने इसे हमारे संग्रहालय को दान कर दिया।

इसे 1967 के युद्ध के तुरंत बाद येरुशलम के उत्तर में एक सड़क पर खरीदा गया था। जाहिर है, अगर इसे खरीदा गया है, अगर यह बिक्री के लिए है, तो शायद कहानी का बहुत दुखद अंत होगा। शादी नहीं हुई, या दूल्हा या दुल्हन में से किसी एक की मृत्यु हो गई।

तो, यह, फिर से, हमारे लिए एक अच्छा संकेत देता है कि पितृपुरुष कैसे रहते थे और कैसे वे स्थायी घरों का निर्माण किए बिना, दक्षिणी मेसोपोटामिया में उर से हारान तक और फिर वापस पवित्र भूमि तक यात्रा करने में कामयाब रहे। और फिर मिस्र तक। यह एक लंबी, सैकड़ों मील की यात्रा है, लेकिन उस दौरान वे ऐसे ही रहते थे। धन्यवाद।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 11 है, पितृसत्ता और पुरातत्व।